ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

16-10-2024

जो अपने संस्कार बापदादा के समान नहीं हैं, उन्हें बिल्कुल टच नहीं करो। देह और देह के सम्बन्ध यह सीढ़ी तो चढ़ चुके अब बुद्धि में भी पुराने संस्कार इमर्ज न हों क्योंकि जैसे संस्कार होंगे वैसा स्वरूप होगा। तो जैसे बापदादा के गुण हैं, वैसे हूबहू वही गुण, वही कर्तव्य, वही बोल, वही संकल्प होने चाहिए फिर सभी के मुख से निकलेगा कि यह तो वही लगते हैं।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

Do not touch even slightly any of your sanskars that are not like those of BapDada. You have already climbed the ladder of the body and bodily relations. Now, do not let any old sanskars emerge because as are your sanskars, so will be your form. Just as BapDada's qualities are, you also need to have the same qualities, the same task, the same words and the same thoughts, and then it will emerge through everyone's lips that you appear to be the same.